नमूना रिपोर्ट — गोपनीयता के लिए दोनों के नाम बदले गए हैं और जन्म विवरण छिपाए गए हैं।
अपनी और अपने रिश्ते की कुंडली मिलान रिपोर्ट इसी प्रारूप में पाएं — दोनों के नाम, जन्म तिथि, समय और स्थान WhatsApp करें: +91-88720 24022

वैदिक ज्योतिष · अष्टकूट गुण मिलान · पूर्ण कुंडली तुलना

गुण मिलान एवं विवाह अनुकूलता रिपोर्ट

दोनों पक्षों के लिए संतुलित विश्लेषण · रिपोर्ट तिथि: 28 अक्टूबर 2026

वर (लड़का)

राहुल

जन्म तिथि / समय	गोपनीय (नमूना)
वैवाहिक स्थिति	अविवाहित
जन्म स्थान	गोपनीय (नमूना)
लग्न	सिंह 08°51'
चंद्र राशि	कन्या (बुध)
नक्षत्र / चरण	हस्त, 3 (18°57')
नवांश लग्न	मिथुन
मंगल दोष	हां — परिहार से निरस्त
शनि स्थिति	कंटक शनि (लगभग 5 जून 2027 तक)

वधू (लड़की)

प्रिया

जन्म तिथि / समय	गोपनीय (नमूना)
वैवाहिक स्थिति	अविवाहित
जन्म स्थान	गोपनीय (नमूना)
लग्न	वृश्चिक 21°55'
चंद्र राशि	मीन (गुरु)
नक्षत्र / चरण	रेवती, 4 (29°05')
नवांश लग्न	मकर
मंगल दोष	हां — परिहार से निरस्त
शनि स्थिति	साढ़ेसाती (दूसरा चरण) (लगभग 20 अप्रैल 2030 तक)

26.5

/ 36 गुण

रिश्ता आगे बढ़ाएं

कानूनी शर्त लागू

संक्षिप्त निष्कर्ष

26.5/36 गुणों के साथ यह उत्तम मिलान है। उपपद और लग्न का समान होना, दोनों ओर से गुरु के शुभ संबंध तथा गण, भकूट और नाड़ी का पूरा मेल इस रिश्ते को मजबूत बनाते हैं; इसलिए रिश्ता आगे बढ़ाया जा सकता है। मुख्य कमजोर कड़ियां दोनों के D9 लग्न का 6/8 संबंध और शुक्र-मंगल का 6/8 संबंध हैं, लेकिन कोई बड़ा दोष नहीं है; साथ ही राहुल अभी कानूनी विवाह आयु से कम हैं, इसलिए विवाह दोनों के कानूनी आयु में होने पर, केवल वर के 21 वर्ष पूरे होने के बाद ही हो सकता है—इससे पहले विवाह कानूनन अनुमत नहीं है और अभी यह रिपोर्ट केवल अनुकूलता बताती है।

हमारी सलाह: यह रिश्ता आगे बढ़ाया जा सकता है — गुण मिलान और दोनों कुंडलियों का आपसी मेल इसका साथ देते हैं।

मंगल दोष: परस्पर संतुलित | नाड़ी दोष: नहीं | भकूट दोष: नहीं | वर्ण: 0/1 | गण: देव–देव

⚖ विवाह की कानूनी आयु: राहुल अभी 21 वर्ष से कम आयु के हैं। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अनुसार लड़के की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और लड़की की 18 वर्ष है; इससे पहले विवाह (या उसकी रस्में) कानूनन अपराध है। यह रिपोर्ट केवल कुंडलियों की अनुकूलता बताती है; विवाह की कोई भी तिथि दोनों के कानूनी आयु पूरी करने के बाद ही रखें।

AstroLiveChat.com

1. अष्टकूट गुण मिलान — पूर्ण तालिका

गणना चंद्र नक्षत्र के आधार पर: वर — हस्त (कन्या), वधू — रेवती (मीन)।

कूट	क्या देखता है	राहुल	प्रिया	अधिकतम	प्राप्त	
वर्ण	कार्य-शैली, अहं व आध्यात्मिक स्तर	वैश्य	ब्राह्मण	1	**0**	✗
वश्य	आपसी प्रभाव व आकर्षण	मानव	जलचर	2	**0.5**	½
तारा	भाग्य, स्वास्थ्य व सुख	15वां — साधक	14वां — प्रत्यरि	3	**1.5**	½
योनि	शारीरिक, सहज व अंतरंग अनुकूलता	महिष	गज	4	**3**	½
ग्रह मैत्री	मानसिक मेल, सोच की समानता	राशि स्वामी बुध	राशि स्वामी गुरु	5	**0.5**	½
गण	स्वभाव व व्यवहार	देव	देव	6	**6**	✓
भकूट	प्रेम, परिवार, धन व समृद्धि	कन्या	मीन	7	**7**	✓
नाड़ी	स्वास्थ्य, संतान व वंश	आदि	अन्त्य	8	**8**	✓
कुल गुण				**36**	**26.5**	**74%**

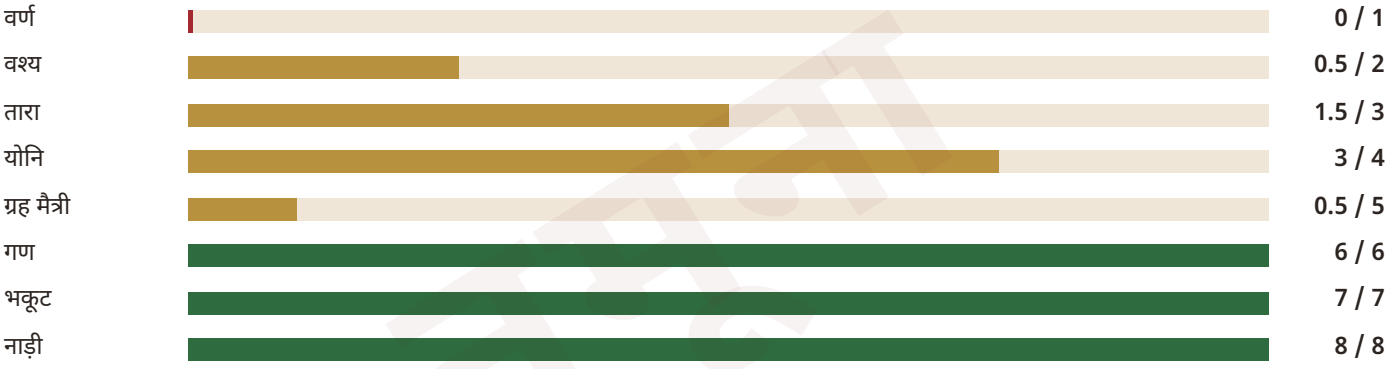

मानक: 18 से कम — कम मिलान · 18–24 — मध्यम · 25–32 — उत्तम · 33–36 — अति उत्तम। गणना पद्धति: उत्तर भारतीय (पाराशरी) पद्धति।

2. प्रत्येक कूट का अर्थ — इस जोड़ी के लिए

नाड़ी — 8/8

नाड़ी कूट स्वास्थ्य, संतान और वंश से जुड़े पारंपरिक मेल को देखता है। नाड़ियां अलग हैं और पूरे 8/8 गुण मिले हैं। नाड़ी दोष नहीं है, जो इस मिलान का महत्वपूर्ण सकारात्मक पक्ष है।

भकूट — 7/7

भकूट प्रेम, परिवार, धन और साझा प्रगति को देखता है। कन्या और मीन का 1/7 संबंध है तथा पूरे 7/7 गुण मिले हैं। भकूट दोष नहीं है और यह साझेदारी तथा पारिवारिक जीवन के लिए मजबूत आधार है।

गण — 6/6

गण कूट स्वभाव और रोजमर्रा के व्यवहार को देखता है। दोनों देव गण के हैं और 6/6 गुण मिले हैं। इससे शिष्टता, समझदारी और एक-दूसरे के प्रति सहयोग की अच्छी संभावना बनती है।

ग्रह मैत्री — 0.5/5

ग्रह मैत्री मानसिक मेल, विचार और संवाद के तरीके को देखती है। बुध और गुरु के बीच पूरी पारस्परिक सहजता न होने से 0.5/5 गुण मिले हैं। यह प्रमुख व्यावहारिक कमजोरी है, इसलिए महत्वपूर्ण विषयों पर अनुमान लगाने के बजाय खुलकर बात करनी चाहिए।

योनि — 3/4

योनि कूट सहज, शारीरिक और अंतरंग अनुकूलता को देखता है। महिष और गज का संबंध मित्रवत है तथा 3/4 गुण मिले हैं। इससे निकटता का अच्छा आधार मिलता है, हालांकि पसंद और भावनात्मक गति को समझने में समय देना चाहिए।

तारा — 1.5/3

तारा कूट भाग्य, स्वास्थ्य और साथ से मिलने वाले सुख को देखता है। 1.5/3 गुणों में राहुल से प्रिया की दिशा साधक और अनुकूल है, जबकि दूसरी दिशा प्रत्यरि होने से कुछ स्थितियों में सहयोग असमान लग सकता है। कठिन समय में अपेक्षाएं साफ रखना जरूरी होगा।

वश्य — 0.5/2

वश्य कूट आपसी प्रभाव, आकर्षण और तालमेल को देखता है। 0.5/2 गुण बताते हैं कि दोनों हमेशा एक ही तरीके से प्रतिक्रिया नहीं देंगे। दबाव बनाने के बजाय बात करके सहमति बनाना बेहतर रहेगा।

वर्ण — 0/1

वर्ण कूट कार्य-शैली, स्वभाव और जिम्मेदारी निभाने के तरीके को देखता है; इसका जाति या सामाजिक स्तर से कोई संबंध नहीं है। यहां 0/1 गुण मिले हैं, इसलिए काम करने की प्राथमिकताओं और आत्मसम्मान को लेकर अंतर हो सकता है। एक-दूसरे की भूमिका और निर्णय लेने के तरीके का सम्मान रखना उपयोगी रहेगा।

3. दोष जांच

दोष	स्थिति	विवरण
मंगल दोष	परस्पर संतुलित	दोनों में मंगल दोष के संकेत हैं, लेकिन दोनों कुंडलियों में बताए गए परिहार के कारण वे निरस्त माने गए हैं। जोड़ी के स्तर पर मंगल प्रभाव परस्पर संतुलित है, इसलिए इसे इस रिश्ते के विरुद्ध बड़ा दोष नहीं माना गया है।
नाड़ी दोष	नहीं	आदि और अन्त्य नाड़ी अलग होने से नाड़ी दोष नहीं है।
भकूट दोष	नहीं	1/7 चंद्र राशियों का 1/7 संबंध होने से भकूट दोष नहीं है।
योनि दोष	नहीं	
गण दोष	नहीं	
रज्जु दोष	नहीं	कंठ – पाद
वेध दोष	नहीं	
स्त्री-दीर्घ	संतुष्ट	14

मंगल दोष का विस्तृत विश्लेषण

राहुल: लग्न से 8वां (परिहार: 8वें भाव में मीन का मंगल — शास्त्रीय परिहार, गुरु की दृष्टि/युति); चंद्र से 7वां (परिहार: गुरु की दृष्टि/युति)

प्रिया: लग्न से पहला (परिहार: मंगल स्वराशि में); शुक्र से 12वां (परिहार: मंगल स्वराशि में)

राहुल की कुंडली में मंगल लग्न से 8वें और चंद्र से 7वें स्थान के आधार पर मंगल दोष बनाता है। मीन राशि के 8वें भाव में मंगल तथा गुरु की दृष्टि या युति के कारण इसका शास्त्रीय परिहार दिया गया है। प्रिया की कुंडली में मंगल लग्न से पहले और शुक्र से 12वें स्थान पर है, लेकिन मंगल के स्वराशि में होने से परिहार है। इसलिए दोनों का मंगल दोष निरस्त और परस्पर संतुलित माना गया है।

नमूना

4. दोनों की कुंडली

राहुल

D1 — लग्न कुंडली

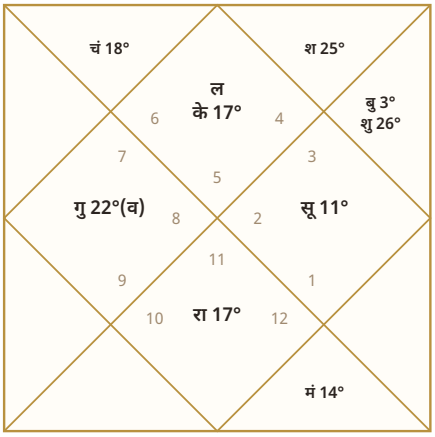

D9 — नवांश कुंडली

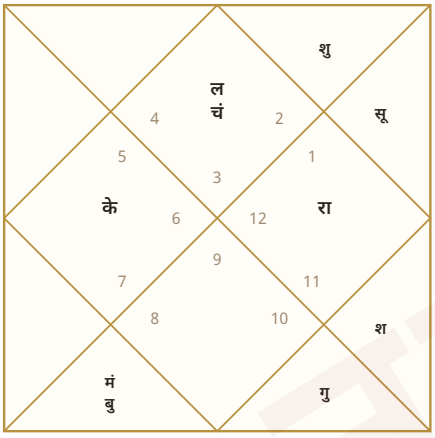

प्रिया

D1 — लग्न कुंडली

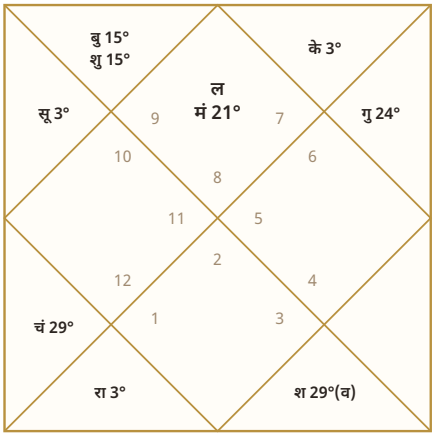

D9 — नवांश कुंडली

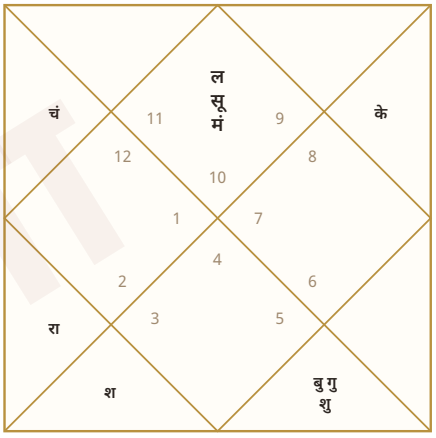

राहुल

ग्रह	राशि	अंश	भाव	नक्षत्र	नवांश
लग्न	सिंह	08°51'	1	मघा	मिथुन
सूर्य	वृषभ	11°39'	10	रोहिणी	मेष
चंद्रमा	कन्या	18°57'	2	हस्त	मिथुन
मंगल	मीन	14°52'	8	उत्तराभाद्रपद	वृश्चिक
बुध	मिथुन	03°46'	11	मृगशिरा	वृश्चिक
गुरु (व)	वृश्चिक	22°10'	4	ज्येष्ठा	मकर
शुक्र	मिथुन	26°28'	11	पुनर्वसु	वृषभ
शनि	कर्क	25°24'	12	आश्लेषा	कुंभ
राहु	कुंभ	17°58'	7	शतभिषा	मीन
केतु	सिंह	17°58'	1	पूर्वाफाल्गुनी	कन्या

उपपद लग्न	वृश्चिक
दाराकारक	बुध
वर्तमान दशा	राहु — बुध
आयु (वर्ष)	19.4

प्रिया

ग्रह	राशि	अंश	भाव	नक्षत्र	नवांश
लग्न	वृश्चिक	21°55'	1	ज्येष्ठा	मकर
सूर्य	मकर	03°00'	3	उत्तराषाढ़ा	मकर
चंद्रमा	मीन	29°05'	5	रेवती	मीन
मंगल	वृश्चिक	21°29'	1	ज्येष्ठा	मकर
बुध	धनु	15°43'	2	पूर्वाषाढ़ा	सिंह
गुरु	कन्या	24°32'	11	चित्रा	सिंह
शुक्र	धनु	15°10'	2	पूर्वाषाढ़ा	सिंह
शनि (व)	मिथुन	29°42'	8	पुनर्वसु	मिथुन
राहु	मेष	03°33'	6	अश्विनी	वृषभ
केतु	तुला	03°33'	12	चित्रा	वृश्चिक

उपपद लग्न	कुंभ
दाराकारक	सूर्य
वर्तमान दशा	शुक्र — शनि
आयु (वर्ष)	21.8

5. क्या मिलता है और क्या नहीं — कुंडली तुलना

गुण मिलान केवल चंद्रमा पर आधारित है। नीचे दोनों की पूरी कुंडली (लग्न, ग्रह, नवांश, उपपद, दाराकारक) की आपसी तुलना है।

✓ जो अच्छी तरह मिलता है

राहुल का उपपद (वृश्चिक) = प्रिया का लग्न
राहुल का उपपद और प्रिया का लग्न दोनों वृश्चिक होना इस मिलान की सबसे मजबूत कड़ी है। यह जीवनसाथी की छवि और प्रिया के मूल स्वभाव के बीच स्वाभाविक पहचान का संकेत देता है।

राहुल का गुरु प्रिया के लग्न (वृश्चिक) पर
राहुल का गुरु प्रिया के लग्न पर होना समझ, संरक्षण और सकारात्मक विकास का संकेत देता है। इससे वह उनके आत्मविश्वास और जीवन-दृष्टि को सहारा दे सकते हैं।

राहुल का गुरु प्रिया के 7वें भाव (वृषभ) को देखता है
राहुल के गुरु की प्रिया के 7वें भाव पर दृष्टि विवाह और साझेदारी के लिए शुभ सहारा है। इससे मतभेद के समय समझदारी की संभावना बढ़ती है।

प्रिया का गुरु राहुल की चंद्र राशि (कन्या) में
प्रिया का गुरु राहुल की चंद्र राशि में है। यह मानसिक सहारे, सलाह और कठिन समय में भावनात्मक संतुलन की सकारात्मक कड़ी है।

प्रिया का गुरु राहुल के दूसरे (परिवार) भाव (कन्या) में
प्रिया का गुरु राहुल के परिवार भाव में होना परिवार, मूल्यों और धन संबंधी समझ को सहारा देता है। दोनों परिवारों को साथ लेने में यह उपयोगी संकेत है।

दोनों लग्न परस्पर 4/10 (सिंह – वृश्चिक)
दोनों लग्नों का 4/10 संबंध व्यावहारिक स्थिरता और साझा लक्ष्यों पर काम करने की क्षमता देता है। घर और काम की भूमिकाएं पहले से स्पष्ट रखने पर यह संबंध बेहतर फल देता है।

दोनों के शुक्र 1/7 (मिथुन – धनु)
दोनों के शुक्र का 1/7 संबंध परस्पर आकर्षण और एक-दूसरे को पूरा करने की प्रवृत्ति दिखाता है। प्रेम जताने के अलग तरीकों को सम्मान देना इसे मजबूत करेगा।

⚠ जो पूरी तरह नहीं मिलता

दोनों नवांश लग्न 6/8 (मिथुन – मकर)
दोनों D9 लग्नों का 6/8 संबंध इस मिलान की मुख्य कमजोर कड़ियों में है। विवाह के बाद दिनचर्या, जिम्मेदारियों और बदलती परिस्थितियों के अनुसार ढलने में सचेत प्रयास करना होगा।

राहुल का शुक्र और प्रिया का मंगल 6/8
राहुल के शुक्र और प्रिया के मंगल का 6/8 संबंध प्रेम जताने, निकटता और अपेक्षाओं में घर्षण दे सकता है। पसंद-नापसंद और व्यक्तिगत सीमाओं पर साफ संवाद रखना चाहिए।

राहुल का मंगल प्रिया की चंद्र राशि (मीन) में
राहुल का मंगल प्रिया की चंद्र राशि में होने से आकर्षण और भावनात्मक तीव्रता बढ़ सकती है। जल्द प्रतिक्रिया या तीखी बात से बचना जरूरी रहेगा।

प्रिया के शनि की दृष्टि राहुल के लग्न (सिंह) पर
प्रिया के शनि की दृष्टि राहुल के लग्न पर रिश्ते में गंभीरता और जिम्मेदारी बढ़ा सकती है। कभी-कभी यह दबाव जैसा लग सकता है, इसलिए आलोचना के बजाय सहयोग जरूरी होगा।

दोनों स्थिर लग्न (सिंह, वृश्चिक)
दोनों के स्थिर लग्न दृढ़ता और रिश्ते को निभाने की क्षमता देते हैं। यही दृढ़ता कभी जिद बन सकती है, इसलिए समय पर समझौता करना सीखना होगा।

6. दोनों कुंडलियों में समय का मेल

अभी कोई साझा अवधि नहीं मिली।

दोनों की विवाह योग्य आयु वर के 21 वर्ष पूरे होने पर पूरी होगी।

दोनों की अपनी विवाह रिपोर्टों के आधार पर इस मिलान में कोई साझा अनुकूल विवाह अवधि उपलब्ध नहीं है, इसलिए किसी एक अवधि को सबसे उपयुक्त नहीं कहा जा सकता। राहुल की कानूनी आयु को देखते हुए विवाह 21 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद ही होना चाहिए। जब विवाह का समय तय किया जाए, तब सटीक तिथि अलग से मुहूर्त देखकर निश्चित करनी चाहिए।

विवाह की वास्तविक तिथि इन अवधियों के भीतर अलग से शुभ मुहूर्त देखकर निकालें।

7. शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या और शनि दशा — दोनों की जांच

दोनों की चंद्र राशि अलग है, इसलिए शनि के गोचर का असर दोनों पर अलग-अलग समय में आता है।

राहुल

जन्म कुंडली में शनि	कर्क, 12वें भाव — शत्रु राशि
शनि किन भावों का स्वामी	छठा, 7वां
लग्न के लिए शनि	कठिन भावों का स्वामी
अभी शनि (गोचर)	कंटक शनि (चंद्र राशि से 7वां) — हल्का प्रभाव मीन राशि में — चंद्र से 7वां, लग्न से 8वां भाव — 2 जून 2027 तक
वर्तमान दशा	राहु — बुध
शनि महादशा	9 सितंबर 2051 – 9 सितंबर 2070 (आने वाला)
साढ़ेसाती/ढैय्या का असर इस कुंडली में	मध्यम

दबाव बढ़ाने वाला: शनि आपके लग्न के लिए कठिन भावों का स्वामी है; जन्म से ही शनि का प्रभाव चंद्रमा पर है — मन शनि के प्रति संवेदनशील

राहत देने वाला: आपकी चंद्र राशि का स्वामी शनि का मित्र है; चंद्रमा पूर्ण बल के पास (शुक्ल पक्ष का उज्ज्वल चंद्र) है

प्रिया

जन्म कुंडली में शनि	मिथुन, 8वें भाव — मित्र राशि (वक्री)
शनि किन भावों का स्वामी	तीसरा, चौथा
लग्न के लिए शनि	सम (न शुभ, न कठिन)
कारक	आत्मकारक
अभी शनि (गोचर)	साढ़ेसाती — दूसरा चरण (शनि चंद्र राशि पर) मीन राशि में — चंद्र से पहला, लग्न से 5वां भाव — 2 जून 2027 तक
वर्तमान दशा	शुक्र — शनि
शनि महादशा	19 मार्च 2090 – 20 मार्च 2109 (आने वाला)
साढ़ेसाती/ढैय्या का असर इस कुंडली में	मध्यम

दबाव बढ़ाने वाला: जन्म से ही शनि का प्रभाव चंद्रमा पर है — मन शनि के प्रति संवेदनशील

राहत देने वाला: जन्म कुंडली में गुरु की दृष्टि या साथ चंद्रमा पर है

शनि गोचर — चंद्र राशि से पूरी गणना

राहुल

अवधि	तारीख (कुल अवधि)	लग्न से भाव	आयु	स्थिति
जीवन की पहली साढ़ेसाती	16 जुलाई 2007 – 2 नवंबर 2014	पहला, दूसरा, तीसरा	0–7	बीत चुका
कंटक शनि (चंद्र राशि से 7वां) — हल्का प्रभाव	**30 मार्च 2025 – 23 फरवरी 2028** **बीच में विराम: 3 जून 2027 – 19 अक्टूबर 2027**	**8वां**	**17–20**	**चल रहा है**
ढैय्या — अष्टम शनि (चंद्र राशि से 8वां)	3 जून 2027 – 16 अप्रैल 2030 बीच में विराम: 20 अक्टूबर 2027 – 23 फरवरी 2028; 9 अगस्त 2029 – 5 अक्टूबर 2029	9वां	20–22	आने वाला
जीवन की दूसरी साढ़ेसाती	28 अगस्त 2036 – 29 अगस्त 2044	पहला, दूसरा, तीसरा	29–37	आने वाला

प्रिया

अवधि	तारीख (कुल अवधि)	लग्न से भाव	आयु	स्थिति
जीवन की पहली साढ़ेसाती	**29 अप्रैल 2022 – 16 अप्रैल 2030**	**चौथा, 5वां, छठा**	**17–25**	**चल रहा है**
ढैय्या — कंटक / अर्धाष्टम शनि (चंद्र राशि से 4था)	31 मई 2032 – 12 जुलाई 2034	8वां	27–29	आने वाला
कंटक शनि (चंद्र राशि से 7वां) — हल्का प्रभाव	23 अक्टूबर 2038 – 25 सितंबर 2041 बीच में विराम: 6 अप्रैल 2039 – 12 जुलाई 2039; 28 जनवरी 2041 – 6 फरवरी 2041	11वां	33–36	आने वाला
जीवन की दूसरी साढ़ेसाती	25 फरवरी 2052 – 27 मई 2059	चौथा, 5वां, छठा	47–54	आने वाला

शनि की दशा (महादशा / अंतर्दशा)

व्यक्ति	महादशा — अंतर्दशा	अवधि	आयु	स्थिति
राहुल	गुरु — शनि	27 अक्टूबर 2037 – 9 मई 2040	30–32	आने वाला
प्रिया	**शुक्र — शनि**	**17 जनवरी 2026 – 19 मार्च 2029**	**20–24**	**चल रहा है**
प्रिया	सूर्य — शनि	24 जनवरी 2036 – 5 जनवरी 2037	31–31	आने वाला

जिन वर्षों में अधिक धैर्य और योजना चाहिए (शनि गोचर और शनि दशा एक साथ)

व्यक्ति	अवधि	शनि गोचर	उस समय की दशा
प्रिया	28 अक्टूबर 2026 – 19 मार्च 2029	जीवन की पहली साढ़ेसाती	शुक्र — शनि
राहुल	27 अक्टूबर 2037 – 9 मई 2040	जीवन की दूसरी साढ़ेसाती	गुरु — शनि

राहुल का जन्मकालीन शनि कर्क में 12वें भाव में है और छठे तथा 7वें भाव का स्वामी होने से उनके लिए इसका प्रभाव कुछ कठिन माना गया है। अभी शनि मीन में, चंद्र से 7वें और लग्न से 8वें स्थान पर 2 जून 2027 तक है; प्रभाव मध्यम है, इसलिए अचानक बदलाव, साझा जिम्मेदारियों और ससुराल से जुड़े विषयों में धैर्य रखना चाहिए। प्रिया का जन्मकालीन वक्री शनि मिथुन के 8वें भाव में मित्र राशि में और आत्मकारक है; अभी मीन में चंद्र पर तथा लग्न से 5वें भाव में 2 जून 2027 तक है। उनका प्रभाव भी मध्यम है, इसलिए भावनाओं, प्रेम और भविष्य की योजनाओं पर दबाव में निर्णय न लेना बेहतर है।

राहुल का कंटक शनि 30 मार्च 2025 से 23 फरवरी 2028 तक है, जिसमें 3 जून 2027 – 19 अक्टूबर 2027 का अंतर है; लग्न से 8वें भाव का यह समय बदलाव और साझा जिम्मेदारियों में सावधानी चाहता है। इसके बाद ढैय्या 3 जून 2027 से 16 अप्रैल 2030 तक रहेगी, जिसमें 20 अक्टूबर 2027 – 23 फरवरी 2028 और 9 अगस्त 2029 – 5 अक्टूबर 2029 के अंतर हैं; यह लग्न से 9वें भाव के विषयों में धैर्य की मांग कर सकती है। उनकी दूसरी साढ़ेसाती 28 अगस्त 2036 से 29 अगस्त 2044 तक होगी: पहला चरण 28 अगस्त 2036 – 12 जुलाई 2039, दूसरा चरण 23 अक्टूबर 2038 – 25 सितंबर 2041 और तीसरा चरण 28 जनवरी 2041 – 29 अगस्त 2044। यह लग्न से पहले, दूसरे और तीसरे भाव को छुएगी, इसलिए स्वयं, परिवार, धन और संवाद में योजना उपयोगी रहेगी।

प्रिया की पहली साढ़ेसाती 29 अप्रैल 2022 से 16 अप्रैल 2030 तक है: पहला चरण 29 अप्रैल 2022 – 29 मार्च 2025, दूसरा चरण 30 मार्च 2025 – 23 फरवरी 2028 और तीसरा चरण 3 जून 2027 – 16 अप्रैल 2030। यह लग्न से चौथे, 5वें और छठे भाव को छूती है, इसलिए घर, प्रेम, संतान संबंधी भविष्य की योजना, काम और स्वास्थ्य की दिनचर्या में संतुलन रखना चाहिए। उनकी ढैय्या 31 मई 2032 से 12 जुलाई 2034 तक लग्न से 8वें भाव में और हल्का कंटक शनि 23 अक्टूबर 2038 से 25 सितंबर 2041 तक लग्न से 11वें भाव में रहेगा; दूसरे समय में 6 अप्रैल 2039 – 12 जुलाई 2039 और 28 जनवरी 2041 – 6 फरवरी 2041 के अंतर हैं। दूसरी साढ़ेसाती 25 फरवरी 2052 से 27 मई 2059 तक होगी: पहला चरण 25 फरवरी 2052 – 5 फरवरी 2055, दूसरा चरण 15 मई 2054 – 6 अप्रैल 2057 और तीसरा चरण 7 अप्रैल 2057 – 27 मई 2059।

राहुल की अभी राहु—बुध दशा है। गुरु—शनि अवधि 27 अक्टूबर 2037 से 9 मई 2040 तक और शनि महादशा 9 सितंबर 2051 से 9 सितंबर 2070 तक आएगी। प्रिया की शुक्र—शनि अवधि 17 जनवरी 2026 से 19 मार्च 2029 तक है; सूर्य—शनि अवधि 24 जनवरी 2036 से 5 जनवरी

2037 तक और शनि महादशा 19 मार्च 2090 से 20 मार्च 2109 तक आएगी। प्रिया के लिए 28 अक्टूबर 2026 से 19 मार्च 2029 और राहुल के लिए 27 अक्टूबर 2037 से 9 मई 2040 शनि दशा तथा भारी गोचर के संयुक्त समय हैं; इन वर्षों में धन, स्वास्थ्य की दिनचर्या और पारिवारिक फैसलों में अधिक धैर्य और योजना रखनी चाहिए।

साझा विवाह अवधियां उपलब्ध न होने से यह नहीं कहा जा सकता कि कौन-सी अवधि दोनों के लिए शनि के दबाव से सबसे अधिक मुक्त या सबसे उपयुक्त होगी। शनि का प्रभाव विवाह को रोकता नहीं है; इसका अर्थ केवल यह है कि निर्णय जिम्मेदारी, स्पष्ट योजना और आपसी सहयोग से लिया जाए। कानूनी आयु पूरी होने के बाद साझा अनुकूल समय और अलग मुहूर्त देखकर सटीक तिथि तय की जानी चाहिए।

साढ़ेसाती डर का विषय नहीं है। यह मेहनत, अनुशासन और परिपक्वता का समय है; इसका फल पूरी कुंडली और दशा पर निर्भर करता है।

नमूना

8. दोनों के लिए — यह जोड़ी कैसी रहेगी?

दोनों परिवारों के लिए मुख्य प्रश्न यह है कि यह जोड़ी एक-दूसरे के जीवन में कितना सहारा, स्थिरता और सम्मान ला सकती है।

इस जोड़ी की ताकत

- राहुल का उपपद प्रिया के लग्न के समान है। यह इस मिलान की सबसे मजबूत कड़ी है और जीवनसाथी की अपेक्षा तथा उनके मूल स्वभाव में स्वाभाविक जुड़ाव दिखाती है।
- राहुल का गुरु प्रिया के लग्न और 7वें भाव को सहारा देता है। इससे समझदारी, सम्मान और विवाह निभाने की सकारात्मक प्रवृत्ति मिल सकती है।
- प्रिया का गुरु राहुल की चंद्र राशि और परिवार भाव से जुड़ा है। इससे वह मानसिक सहारा, पारिवारिक समझ और संतुलित सलाह दे सकती हैं।
- प्रिया की कुंडली में गुरु का 7वें भाव पर प्रभाव विवाह के लिए अच्छा व्यक्तिगत संकेत है। यह साझेदारी में उदारता और समझ बढ़ा सकता है।
- दोनों का देव गण, पूरा भकूट और अलग नाड़ी अच्छा स्वभाविक व पारिवारिक आधार देते हैं। शुक्र का 1/7 संबंध आकर्षण को भी सहारा देता है।

दोनों को किन बातों पर काम करना होगा

- राहुल के 7वें भाव में राहु और 7वें स्वामी शनि का 12वें भाव में होना रिश्ते में स्पष्टता, भरोसा और अपेक्षाओं पर विशेष ध्यान मांगता है। विवाह के बाद स्थान परिवर्तन की संभावना पर भी पहले चर्चा करनी चाहिए।
- प्रिया का चंद्रमा गंडांत में होने से मनःस्थिति में उतार-चढ़ाव की प्रवृत्ति हो सकती है। पहले भाव का मंगल तेज प्रतिक्रिया दे सकता है, इसलिए भावनात्मक संवाद का तरीका समझना जरूरी है।
- दोनों D9 लग्नों का 6/8 संबंध विवाह के बाद दिनचर्या और जिम्मेदारियों में तालमेल की मुख्य कमजोर कड़ी है। घर, काम और परिवार की भूमिकाएं पहले से तय करना उपयोगी रहेगा।
- राहुल के शुक्र और प्रिया के मंगल का 6/8 संबंध तथा राहुल के मंगल का प्रिया की चंद्र राशि में होना आकर्षण के साथ तनाव भी दे सकता है। असहमति के समय भाषा और निजी सीमाओं का सम्मान जरूरी होगा।
- दोनों के स्थिर लग्न दृढ़ता देते हैं, लेकिन जिद की प्रवृत्ति भी बढ़ा सकते हैं। राहुल के सम्मान और प्रिया की भावनात्मक प्रतिक्रिया को दोनों परिवार समझकर देखें।
- प्रिया पर अभी साढ़ेसाती का दूसरा चरण और शनि की अवधि है, जबकि राहुल पर कंटक शनि है। साथ ही राहुल की कानूनी विवाह आयु 21 वर्ष पूरे होने पर पूरी होगी, इसलिए उससे पहले विवाह कानूनन अनुमत नहीं है।

अंतिम निष्कर्ष

> **हमारी सलाह: यह रिश्ता आगे बढ़ाया जा सकता है — गुण मिलान और दोनों कुंडलियों का आपसी मेल इसका साथ देते हैं।**

हमारी स्पष्ट राय है कि यह रिश्ता आगे बढ़ाया जा सकता है, लेकिन विवाह राहुल की कानूनी आयु पूरी होने के बाद ही किया जाए।

26.5/36 का उत्तम गुण मिलान, उपपद और लग्न की समानता, दोनों ओर गुरु के शुभ संबंध तथा गण, भकूट और नाड़ी का मजबूत मेल इस रिश्ते का समर्थन करते हैं। कोई बड़ा दोष नहीं है और दोनों का मंगल प्रभाव परिहार के कारण निरस्त तथा परस्पर संतुलित है।

ध्यान देने योग्य मुख्य बातें दोनों D9 लग्नों का 6/8 संबंध, शुक्र-मंगल का 6/8 संबंध और कमजोर ग्रह मैत्री हैं। इनसे सोच, दिनचर्या, निकटता और जिम्मेदारियों में अंतर हो सकता है, लेकिन खुला संवाद, स्पष्ट आर्थिक योजना और समय पर समझौते से इन्हें संभाला जा सकता है।

दोनों परिवार रिश्ते की बातचीत आगे बढ़ा सकते हैं, पर राहुल अभी कानूनी विवाह आयु से कम हैं। विवाह केवल 21 वर्ष पूरे होने के बाद हो सकता है; इससे पहले विवाह कानूनन अनुमत नहीं है और तब तक यह रिपोर्ट केवल अनुकूलता बताती है। जन्म समय की पुष्टि, व्यक्तिगत बातचीत और कानूनी आयु के बाद अलग मुहूर्त देखकर ही अंतिम तिथि तय करें।

समग्र अनुकूलता: गुण मिलान: 26.5/36 — उत्तम; कुंडली तुलना: अच्छी; सावधानी स्तर: मध्यम।

> ⚖ विवाह की कानूनी आयु: राहुल अभी 21 वर्ष से कम आयु के हैं। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अनुसार लड़के की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और लड़की की 18 वर्ष है; इससे पहले विवाह (या उसकी रस्में) कानूनन अपराध है। यह रिपोर्ट केवल कुंडलियों की अनुकूलता बताती है; विवाह की कोई भी तिथि दोनों के कानूनी आयु पूरी करने के बाद ही रखें।

9. रिश्ता पक्का करने से पहले सुझाव

- रिश्ते की बातचीत आगे बढ़ाई जा सकती है, लेकिन राहुल की कानूनी विवाह आयु 21 वर्ष पूरे होने पर पूरी होगी। विवाह केवल इसके बाद ही हो सकता है; इससे पहले विवाह कानूनन अनुमत नहीं है और रिपोर्ट केवल अनुकूलता के लिए है।
- दोनों को परिवार की उपस्थिति में और अलग-अलग पर्याप्त समय देकर मिलवाएं। स्वभाव, गुस्सा संभालने का तरीका, सम्मान, निजी सीमाएं और मतभेद सुलझाने की क्षमता देखें।
- काम-काज, आय, बचत, खर्च, कर्ज और विवाह के बाद रहने के स्थान पर साफ चर्चा करें। राहुल की कुंडली में स्थान परिवर्तन का संकेत है, इसलिए इस विषय पर पहले सहमति बनाएं।
- प्रिया की पढ़ाई, काम-काज और आगे की योजनाओं को स्पष्ट रूप से समझें। साथ ही दोनों परिवार घर की जिम्मेदारियों और भविष्य के लक्ष्यों पर उनकी सहमति लें।
- दोनों के जन्म समय और जन्म विवरण की दोबारा पुष्टि करें। D9 के 6/8 संबंध, शुक्र-मंगल के 6/8 संबंध और शनि के समय को देखते हुए किसी विशेष शंका या पारंपरिक उपाय के लिए AstroLiveChat.com के ज्योतिषी से व्यक्तिगत बातचीत की जा सकती है।
- कानूनी आयु पूरी होने के बाद दोनों की साझा अनुकूल अवधि की अलग जांच कराएं और सटीक विवाह तिथि अलग मुहूर्त से तय करें। केवल गुणों के आधार पर जल्दबाजी न करें, लेकिन उपलब्ध मिलान रिश्ते को आगे बढ़ाने का स्पष्ट समर्थन करता है।

पद्धति: सभी गणनाएं (गुण, दोष, ग्रह स्थिति, समय) सॉफ्टवेयर द्वारा जन्म विवरण से की गई हैं; व्याख्या उन्हीं पर आधारित है। **अस्वीकरण:** ज्योतिषीय मिलान एक पारंपरिक मार्गदर्शन है और भविष्य की गारंटी नहीं देता। विवाह का वास्तविक सुख दोनों व्यक्तियों के आपसी व्यवहार, परिवारों की समझ और जीवन की परिस्थितियों पर भी निर्भर करता है।